पौध रोपाई यंत्र से रोपाई हुई आसान

सुमन सिंह[1], हेमू राठौड़[2], चारू शर्मा[3]

1. प्रस्तावना
2. पौध रोपाई यंत्र
3. पौध रोपाई यंत्र के फायदे

1. प्रस्तावना

खेती में बुवाई का कार्य मेहनत भरा, थकानदायक एवम अत्यधिक समय लेने वाला होता है। फसलों की बुवाई बीज छाँटकर, बीज को निश्चित दूरी पर रोप कर अथवा पौध तैयार करके रोपाई द्वारा की जाती है। फसल अनुरूप बुवाई का कार्य तय किया जाता है। जिन फसलों का रोप (नर्सरी) तैयार करके पौधो की रोपाई की जाती है, उनमे पौध रोपाई का कार्य श्रमयुक्त, थका देने वाला, उबाऊ एवम अत्यधिक समय खर्च करने वाला होता है। हाथो से एक–एक पौध को रोपने में कृषक महिलाएँ पूरा दिन व्यतीत कर देती है।

2. पौध रोपाई यंत्र

पौध रोपाई के कार्य को आसान से, कम समय में बिना थकावट के हस्तचालित पौध रोपाई यंत्र द्वारा किया जा सकता है। स्टेनलेस स्टील का बना यह पौध रोपाई यंत्र पाइपनुमा होता है, जिसके एक ओर का मुँह खुला तथा दूसरे छोर पर तिरछा 4 इंच का ढक्कन लगा होता है, जो कि ऊपर की ओर लीवर से जुडा होता है। नीचे ढक्कन लगे छोर को निश्चित गहराई तक रोपाई हेतु तैयार किए स्थान में डाला जाता है। रोपाई यंत्र में मुँह की ओर से पाइप में पौध रोपने के लिए डाला जाता है। लीवर दबाने पर नीचे ढक्कन लगा मुँह खुल जाता है तथा पौध उचित गहराई में रोपा जा सकता है। सब्जियों में बैंगन, मिर्च, टमाटर, फूलगोभी इत्यादि फसले जिनका रोप (नर्सरी) तैयार करके पौधो की रोपाई की जाती है, उन फसलों के लिए यह पौध रोपाई यंत्र बहुत सहायक सिद्ध हुआ है।

[1] आचार्य ,पारिवारिक संसाधन प्रबंध विभाग,गृहविज्ञान महविद्यालय, उदयपुर (राज.)।
[2] सहायक आचार्य ,पारिवारिक संसाधन प्रबंध विभाग,गृहविज्ञान महविद्यालय, उदयपुर (राज.)।
[3] वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता, पारिवारिक संसाधन प्रबंध विभाग,गृहविज्ञान महविद्यालय, उदयपुर (राज.)।

3. पौध रोपाई यंत्र के फायदे

पारंपरिक तरीके में एक–एक पौध को रोपने में काफी शारीरिक श्रम एवम् अत्यधिक थकान हो जाती है। इसके अलावा प्रत्येक पौध को रोपने में काफी समय लग जाता है। पौध रोपाई यंत्र का प्रयोग करके शारीरिक श्रम एवम् समय की तो बचत होती है ही , पारंपरिक तरीके से यंत्रवत एक–एक पौध को रोपने से होने वाली अनावश्यक थकान से भी बचा जा सकता है, साथ ही बार–बार झुक कर पौध रोपने से होने वाले कमर दर्द से भी कृषक को राहत मिलती है।

पारंपरिक रोपाई कार्य में एक डोली (16 मी.) में 35 पौधो की रोपाई जहां 6 मिनट का समय लगता है तथा 35 बार, 110 डिग्री पर कमर झुकाकर रोपाई का कार्य किया जाता है, वही पौध रोपाई यंत्र से लगभग आधे समय में बिना झुके काम पूरा हो जाता है। इस प्रकार पारंपरिक तरीके की तुलना में पौध रोपाई यंत्र काफी संतुष्टि देता है।

पौध रोपाई यंत्र का प्रयोग काफी आसान है तथा इसमें किसी प्रकार की तकनीकी दक्षता की आवयकता नहीं होती है।पारंपरिक रोपाई कार्य की तुलना में इस यंत्र से बिना थकान के सरलता एवम सुगमता पूर्वक रोपाई का कार्य किया जा सकता है। इस प्रकार यह यंत्र समय एवम श्रम की बचत करते हुए थकान दूर करने में सहायक है। यंत्र द्वारा रोपाई से हाथों की सुरक्षा भी होती है तथा कमर दर्द से निजात मिलती है। इन सब के अतिरिक्त पौध रोपाई यंत्र उचित गहराई में पौध रोपाई का कार्य भी कर देता है। जिससे बार बार निश्चित दूरी पर पौध के लिए गड्ढा खोदने का श्रम भी नहीं करना पड़ता ,साथ ही पौधो के मरने की संख्या भी नगण्य हो जाती है।

कम श्रम एवम समय में निपुणता से रोपाई का कार्य करने हेतु पौध रोपाई यंत्र काफी कारगर है। यह पौध रोपाई यंत्र 2500 रू मूल्य का है । इसे प्राप्त करने हेतु अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना, पारिवारिक संसाधन प्रबंध विभाग , गृहविज्ञान महविद्यालय , उदयपुर (राज.) से संपर्क कर सकते है।